11. आधुनिक राजस्थानी प्रकृतिपरक अर छायावादी काव्य माथै दाखळा साथै टीप लिखौ।

12. 'जागती जोतां' काव्य संग्रै रौ विस्तार सूं वरणन करो।

13. राजस्थानी री नूंवी कवितावां रौ विस्तार सूं मूल्यांकन करो।

RJ–02

December – Examination 2023

B.A. (Part I) Examination

RAJASTHANI

(आधुनिक राजस्थानी पद्य साहित्य)

Paper : RJ-02

*Time : **3** Hours*] [*Maximum Marks : **70***

निर्देश :- औ पेपर तीन खण्डां 'अ', 'ब' अर 'स' में बंट्योड़ौ है। खण्ड-'अ' में साव छोटा सवाल, खण्ड-'ब' में छोटा सवाल अर खण्ड-'स' में मोटा सवालां रा पड़ूतर देवणा है। हरेक खण्ड रै आगै दियोडा निर्देशांमुजब आपरा जवाब लिख्यौ।

खण्ड—अ **7×2=14**

(साव छोटा सवाल)

निर्देश :- इण खण्ड रा **सगळां सवालां** रौ पड़ूतर देवणों जरूरी है। आपरौ पड़ूतर अेक सबद, अेक वाक्य या अधिकतम **30** सबद सूं बेसी नी हुवणा चाईजै।

1. (i) मोहन आलोक री दो रचनावां रा नांव लिखौ।

   (ii) कविता संग्रै 'किरकर' रा रचनाकार कुण है ?

(iii) महाराज चतुरसिंह जी रौ जळम कुणसा गांव में अर कदै हुयौ ?

(iv) "गढवी पिरथीसिंघ गुणी, गोरां मेट जरूर।
मरद तांतियै री मदत, की उण वेळ जरूर॥"
दूहे रा रचनाकार रौ नांव लिखौ।

(v) 'चेतावणी रा चूंगट्या' कवि किणनै अर किण बखत सुणायां ?

(vi) 'म्हारी कवितावां' पे साहित्य अकादमी, नई दिल्ली सूं ईनाम कुणसा कवि ने मिल्यौ ?

(vii) 'पातल-अकबर-मान' कविता में मानसिंह महाराणा प्रताप सूं बैराजी क्यूं हुवै ?

खण्ड—ब **4×7=28**

(छोटा सवाल)

निर्देश :- इण खण्ड में सूं किणी **चार सवालां** रा जवाब **200** सबदां रीं सींव में लिखौ।

2. भासा सैली री दीठ सूं चतुर चिन्तामणि काव्य रौ मूल्यांकन करो।

3. संकरदान सामौर री आजादी री अलख जगावण सारू लिख्योड़ी रचनावां रौ भाव सागै वरणाव करौ।

4. केसरीसिंह बारहठ रै काव्य सिरजण ने आपणां सबदां में लिखौ।

5. 'कवि सम्मेलनां का प्रेमजी प्रेम' माथै अेक टीप माण्डौ।

6. छंद अलंकार री दीठ सूं मोहन आलोक रै काव्य रौ मूल्यांकन करो।

7. 'बेलड़ी' काव्य रचना री समीक्षा करो।

8. 'मानखौ' काव्य मिनखपणां रौ सनेसौ समाज ने किण भांत देवै दाखळा सागै बखाण करो।

9. सूर्यमल्ल मीसण री कोई चार रचनावां रौ वरणाव करो।

खण्ड—स **2×14=28**

(मोटा सवाल)

निर्देश :- इण खण्ड में सूं किणी **दो सवालां** रा जवाब देवणा है। सबद सींव **500** सबद है।

10. भगवती लाल व्यास रै व्यक्तित्व माथै उजास नाखला थका 'अगनी मंतर' अर 'सबद राग' काव्य संग्रै रा भाव लिखौ।